भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1077

जिसका उत्तर 05.02.2026 को दिया जाना

राष्ट्रीय राजमार्गों पर गुणवत्ता और सुरक्षा

1077. श्री शफी परम्बिल:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अंतर्गत निर्मित सड़कों के बार-बार ढहने की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान आयोजित गुणवत्ता संपरीक्षाओं का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि राजमार्ग का निर्माण उच्च गुणवत्ता मानकों का पालन करें; और

(घ) सड़क निर्माण की गुणवत्ता में सुधार के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख) विवरण अनुलग्नक पर संलग्न हैं।

(ग) और (घ) राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क निर्माण की गुणवत्ता में सुधार के लिए किए गए उपायों का विवरण नीचे दिया गया है:

सभी कार्यों को भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) द्वारा निर्धारित कार्य संहिताओं (कोड) और मानकों और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार सख्ती से निष्पादित किया जाता है, जिससे राजमार्ग परिसंपत्तियों की एकरूपता, तकनीकी सुदृढ़ता और स्थायित्व सुनिश्चित हो सके। परियोजना स्तर पर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, निष्पादन एजेंसियां परियोजना-विशिष्ट परामर्शदाताओं, अर्थात् प्राधिकरण इंजीनियर / स्वतंत्र इंजीनियर / पर्यवेक्षण परामर्शदाता (एई / आईई / एससी) को शामिल करती हैं, जो निर्माण गतिविधियों की निरंतर पर्यवेक्षण और दिन-प्रतिदिन की निगरानी करते हैं।

इसके अतिरिक्त, प्रत्येक परियोजना के लिए अनुमोदित गुणवत्ता आश्वासन योजना (क्यूएपी) के तहत कार्यों का निष्पादन किया जाता है, जिसमें परीक्षण आवश्यकताओं, स्वीकृति

मानदंडों और उत्तरदायित्वों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्धारित प्रतिशत तक गुणवत्ता परीक्षणों का सत्यापन करना अनिवार्य है।

इसके अतिरिक्त, वरिष्ठ और अनुभवी तकनीशियनों द्वारा नमूना आधार पर स्वतंत्र गुणवत्ता निरीक्षण भी किए जाते हैं, जो कारीगरी, सामग्री और प्रक्रियाओं का निष्पक्ष मूल्यांकन प्रदान करते हैं।

संगठनात्मक स्तर पर, एनएचएआई के क्षेत्रीय कार्यालयों और मुख्यालयों द्वारा विभिन्न चरणों में निरीक्षण के लिए प्रावधान किए गए हैं, जो दिनांक 08.10.2020, दिनांक 15.08.2021 और दिनांक 02.03.2021 के विभिन्न नीतिगत परिपत्रों के अनुरूप हैं। यह बहुस्तरीय निरीक्षण कार्य-तंत्र त्रुटियों की पहचान और समय पर सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करता है।

क्रियान्वयन को और सुव्यवस्थित करने तथा पारदर्शिता बढ़ाने के लिए, पर्यवेक्षक परामर्शदाताओं द्वारा निरीक्षण अनुरोध (आरएफआई), जाँच और प्रमाणन को रिकॉर्ड करने हेतु डिजिटल प्रणालियाँ शुरू की गई हैं। इसके अतिरिक्त, एई/आईई/एससी द्वारा निर्मित सामग्रियों के स्रोत अनुमोदन डेटा को डेटा लेक पोर्टल पर अपलोड करने की व्यवस्था से सामग्री अनुमोदन और अनुपालन की केंद्रीकृत, वास्तविक समय में निगरानी संभव हो पाती है।

'राष्ट्रीय राजमार्गों पर गुणवत्ता और सुरक्षा' के संबंध में श्री शफी परम्बिल के द्वारा दिनांक 05.02.2026 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1077 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पिछले 03 (तीन) वित्त वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्गों द्वारा हुई क्षति (ढहने के स्थान और कारण, जिसमें डिजाइन, सामग्री और निर्माण की कमियां शामिल हैं) का विवरण:

राज्य का नाम	क्र.सं.	परियोजना का नाम	एनएच संख्या.	लंबाई(किलोमीटर में)	परियोजना लागत (करोड़ में)	परियोजना की समापन तिथि	पुलों, सड़कों आदि के घटिया निर्माण के कारण हुई क्षति (ढहने के स्थान और कारण)	क्षति का वर्ष	तकनीकी लेखापरीक्षा / उपचारात्मक उपाय / किए गए मरम्मत कार्य
हरियाणा	1	हीरो होंडा चौक पर फ्लाईओवर और अंडरपास	एनएच-48	1.4	183		एनएच 48 पर हीरो होंडा चौक के एलिवेटेड स्पैन में, पी4-पी5 पिलर और जी1-जी2 गर्डर के बीच, चैनेज 36+350 पर डेक स्लैब का कुछ हिस्सा दाहिनी ओर	मई, 2024	

							बिटुमिनस सतह (एमसीडब्ल्यू-01) के धंसने के साथ गिर गया है।		
गुजरात	2	सांचोर-संतालपुर पैकेज-04	एनएच-754ए	31.073	558.88	निर्माणाधीन परियोजना के फरवरी 2026 तक पूर्ण होने की संभावना है।	परियोजना राजमार्ग के निर्माण के दौरान, सांचोर-संतालपुर राजमार्ग पर मुख्य मार्ग के विभिन्न स्थानों पर दोनों दिशाओं में बड़ी और छोटी दरारें देखी गईं। इसके अतिरिक्त, राजमार्ग पर कई गड्ढे और दरारें पाई गईं।	2025	एनएचएआई ने इस मुद्दे का आकलन करने के लिए मुख्यालय और आईआईटी से विशेषज्ञ समितियों का गठन किया है; तथापि, विशेषज्ञों की रिपोर्टें प्रस्तुत कर दी गई हैं और संविदाकार से उत्तर की प्रतीक्षा है। इस बीच, प्राधिकरण अभियंता की देखरेख में ईपीसी संविदाकार ने सड़क को यातायात योग्य बनाने के लिए अपने स्तर पर सुधार कार्य शुरू कर दिया है। परियोजना की सड़क का शीघ्र ही पूर्ण सुधार कर दिया जाएगा। संविदाकार ने कुछ हिस्सों में सूक्ष्म सतहीकरण

									कार्य करने का भी प्रस्ताव दिया है। विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने पर तदनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।
मध्य प्रदेश	3	झांसी - खजुराहो पैकेज-1	39	76.3	1410	पीसीओडी=28.01.2022 सीसी = 16.10.2023	भारी बारिश और बाढ़ के कारण चै. 61+100 आरओबी में आरई पैनल ढह गया*एलएचएस)	2025-26	रियायतकर्ता द्वारा अपने स्वयं के खर्च पर मरम्मत।
कर्नाटक	4	एनएचडीपी-IV के अंतर्गत डीबीएफओओटी आधार पर कर्नाटक राज्य में किलोमीटर 93.700 से 283.300 तक एनएच-66 (पूर्व में एनएच-17) के गोवा-कर्नाटक सीमा से	187.24	1655	चल रहे	16.07.2024 को मूसलाधार बारिश की तीव्र घटना के कारण उत्तर कन्नड़ जिले के शिरूर गांव के निकट किमी 147.900 पर भूस्खलन की घटना।	8	16.07.2024	रियायतग्राही भविष्य में ऐसी घटनाओं को कम करने के लिए उक्त स्थानों पर भू-तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा दिए गए परामर्श के अनुसार गैबियन निर्माण कार्य कर रहा है।

		कुंडापुर खंड तक चार लेन का निर्माण कार्य।							
	5	एचएएम के तहत कर्नाटक में एनएच-948 (पुराना एनएच-209) (किमी 287.52 - किमी 458.42) पर बीआरटी टाइगर रिजर्व सीमा से बैंगलोर खंड का 2/4 लेन का निर्माण कार्य।	किमी 170.92 (डिस्कोप लंबाई) किमी 4.93)	1008	रखरखाव अनुबंध के अधीन	किमी 337+670 से किमी 337+680 आरई वीयूपी के 10 मीटर लंबाई के अप्रोच ब्लॉक के ढह जाने से उसमें दरार आ गई।	0	45870	यह परियोजना एचएएम मोड पर है, इसलिए मरम्मत की जिम्मेदारी रियायतग्राही की है और उन्होंने मरम्मत कार्य शुरू कर दिया है जो आईआईएससी बैंगलोर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार प्रगति पर है।

ओडिशा	6	एनएच-16 का चंडीखोल-भद्रक खंड	16	74.50.	1522	19.02.2023	किलोमीटर 79+614 पर स्थित पुल (2007 में मैसर्स गैमन इंडिया लिमिटेड द्वारा निर्मित)। (1) पीयर कैप के कैंटिलीवर का एक भाग टूटने से ए1-पी1 का भाग पियर पी2 से अलग हो गया था और जमीन पर गिर गया था। स्पैन के दक्षिणावर्त दिशा में घुमने के कारण डी/एस स्पैन (गर्डर्स) का सिरा जमीन में	2023-2024	पूरे मार्ग के सभी पुलों की मोबाइल ब्रिज इंस्पेक्शन यूनिट द्वारा गहन जांच की गई है ताकि मौजूदा पुलों की मजबूती सुनिश्चित की जा सके। इसके अतिरिक्त, आईई ने पुलों के आवधिक निरीक्षण और उचित रखरखाव के निर्देश दिए हैं ताकि भविष्य में पुल गिरने की घटनाओं से बचा जा सके।

							धंस गया है। (2) ग्रिड “पी2” पर पियर कैप में चौड़ी दरारें (3-4 मिमी तक) दिखाई देना। भविष्य में इसके परिणामस्वरूप हो सकता है ग्रिड "पी2" पर भी पियर कैप की इसी तरह विफलता हो। (3) विस्थापित भाग के डेक स्लैब और गर्डरों को हुई क्षति (4) कुछ स्थानों पर बार की दूरी में वृद्धि की तुलना में		

							“निर्मित आरेख”। (5) सुदृढ़ीकरण के लिए आवरण में वृद्धि (लगभग 100 मिमी)/कमी कुछ स्थानों पर घाट के शीर्ष पर छड़ें लगी हुई हैं। (6) विफल पीयर कैप के कंक्रीट और छड़ों के बीच बंध का अभाव।		
बिहार	7	बिहार राज्य में ओएमटी आधार पर एनएच-57 के एनएच-57 (किमी. 0.00 से किमी148.550 और किमी. 159.357 से	27	277.053		20.09.2024	रखरखाव देयता का उल्लंघन	2024	एनएच-27 (पुराना एनएच-57) के सुदृढ़ीकरण और प्रमुख रखरखाव के लिए संविदाकार (एसएमएस एएबीएस इंडिया पीसीटी लिमिटेड) के जोखिम और लागत का आकलन करने के लिए निविदा आमंत्रित की गई है, 253.48 करोड़

		किमी. 287.860 तक) (कुल 277.053.) के मुजफ्फरपुर-दरभंगा-पूर्णिया खंड का संचालन और रखरखाव तथा लंबाई वाले टोल प्लाजा किमी 150.390 किमी (बीओटी वार्षिकी खंड)) पर टोल राजस्व संग्रहण (ओएमटी पैकेज संख्या 20):							
	8	तंजावुर-त्रिची खंड को किलोमीटर 80.000 से किमी 136.490 तक 4 लेन का	83	56.49	280	पीसीसी दिनांक 12.05.2011 और 28.02.2015 को जारी की गई (रियायत समझौता 17.03.2023 को	1. ए1 (तंजावुर) तरफ के आरई दीवार पैनल का भाग (बाईं ओर का) दृष्टिकोण भू-भाग से	2023	1. विशेषज्ञ समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर, क्षति को ठीक करने के लिए सोईल नेलिंग विधि का उपयोग किया गया। 2. क्षतिग्रस्त आरई दीवार के

तमिलनाडु		बनाना				समाप्त कर दिया गया)	डिस्कनेक्ट हो गया है। ग्रिड 20.06.2023 को गिर गया। 2. किसी की जान नहीं गई और न ही किसी को चोट आई।		हिस्से की मरम्मत सहित पूरी आरई दीवार के हिस्से को 9 मीटर औसत लंबाई की 650 कीलें लगाई गई। 3. मरम्मत कार्यों का वित्तीय अनुमान 1.88 करोड़ रुपये था (इसमें जीएसटी शामिल नहीं है)। सहित कार्य एनएचएआई द्वारा 16.09.2023 को संपन्न किया गया था।
	9	सेठियाथोपे-चोलपौरम खंड का किलोमीटर 65.960 से किलोमीटर 116.440 तक 4 लेन का निर्माण।	36	50.48	1461	31.10.2025	1. ए2 (तंजावुर) साइड अप्रोच (बाईं ओर) के आरई वॉल ब्लॉक का हिस्सा भू-भाग से अलग कर दिया गया है। ग्रिड 01.08.2025 को गिर गया।	2025	1. प्रारंभिक निरीक्षण के आधार पर यह पाया गया है कि विफलता का कारण निम्न है: मिट्टी से भराई और जल रिसाव तथा भू-ग्रिड के टूटने के कारण 2. रियायतग्राही द्वारा अपने स्वयं के व्यय पर 31.10.2025 को सुधार कार्य

							2. किसी की जान नहीं गई और न ही कोई चोट आई।		पूर्ण किया गया।
	10						16.06.2025 को चैनेज 58+035 से चैनेज 58+100 (आरएचएस) पर सोईल नेलिंग के दौरान ढहने की घटना घटी, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ। सोईल नेलिंग का कार्य संविदाकार द्वारा वर्ष 2023 में किया गया था कारण: शॉटक्रीट की मोटाई अपर्याप्त; कीलों	2025-26	रियायतग्राही के जोखिम और लागत पर सुधार कार्य जारी है।

							के बीच अधिक दूरी; लंगर की लंबाई अपर्याप्त; दीवार के पीछे जल निकासी अपर्याप्त।		
केरल	11	रामनट्टुकरा-वलंचेरी	66	39.68	2329.35	पीसीसी दिनांक 18.07.2025 को जारी की गई	276+800 से 277+050 (बाएं ओर) पर आरई की दीवार ढह गई। कारण- संतृप्त मिट्टी के लिए आरई दीवार का अपर्याप्त डिजाइन; खराब संघनन; फिल्टर मीडिया का अभाव।	2025-26	इस पुल का निर्माण संविदाकार के अपने व्यय पर 80 करोड़ रुपये में किया जा रहा है।
	12	अरूर से थुरवूर तक एलिवेटेड कॉरिडोर	66	12.75	2382.83	30.06.2026	13.11.2025 को अरूर-थुरवर एलिवेटेड हाईवे	2025-26	संविदाकार के जोखिम और व्यय पर सुधार कार्य जारी है।

							के पी-202-पी-203 स्पैन पर दो पीएससी गर्डरों का गिरना। (चैनेज 373+810 से चैनेज 373+845) (बीएचएस) कारण- जैक की खराबी		
	13	थुरवूर से परावूर तक	66	38.39	2638.67	31.05.2026	चैनेज410+230 (आरएसएच) पर 4 गर्डर ढह गए। कारण- क्रॉस गर्डर की ढलाई में देरी और निष्पादन में चूक।	2024-25	संविदाकार के जोखिम और व्यय पर सुधार कार्य जारी है।

	14	कलामस्सेरी से वल्लारपदम तक वल्लारपदम में आईसीटीटी के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग संपर्कता	966 ए	17.121	571.26	30.04.2015	पुल संख्या 07 और 08 - चैनेज 7+960 और चैनेज 9+067 (बीएचएस) पर पाइल फाउंडेशन में खराबी देखी गई। कारण- निम्न स्तर का कार्य निष्पादन और घटिया कारीगरी	2024-25	तृतीय पक्ष द्वारा सुधार कार्य किया गया
	15	कोडुगल्लूर से एडप्पपल्ली तक	66	26.03	3606.2	31.05.2026	पाइल नींव में क्षति चैनेज 398+400 और चैनेज 398+989 (आरएचएस) कारण- घटिया कार्य निष्पादन और खराब	2024-25	रियायतग्राही के जोखिम और लागत के तहत सुधार किया गया

							कारीगरी		
	16	कोल्लम बाईपास से कदंबत्तुकोणम	66	31.25	3023.83	30.06.2026	किलोमीटर संख्या 497+370 (दाहिनी ओर) पर निर्माणाधीन लघु पुल की नींव 28.11.2024 को गिर गई। कारण- स्टेजिंग संबंधी समस्या और अनुचित पर्यवेक्षण	2024-25	रियायतग्राही के जोखिम और लागत के तहत सुधार किया गया

*****